<u>विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय</u>

<u>वर्ग-सप्तम्</u>

<u>विषय -हिन्दी</u>

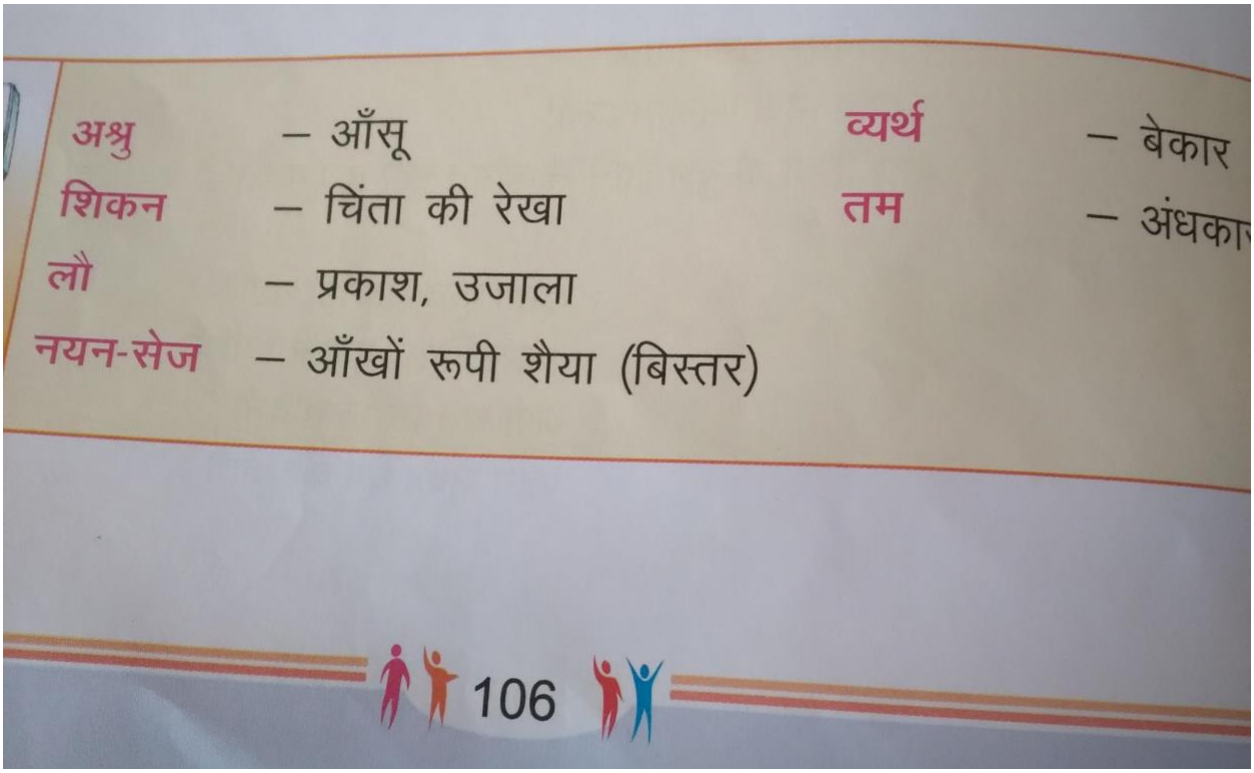

अश्रु	– आँसू	व्यर्थ	– बेकार
शिकन	– चिंता की रेखा	तम	– अंधका
लौ	– प्रकाश, उजाला		
नयन-सेज	– आँखों रूपी शैया (बिस्तर)		

अभ्यास

लघु उत्तरीय प्रश्न :

1. (क) मोती से लेखक का क्या तात्पर्य है?
   (ख) सावन के नहीं मरने की बात क्यों कही गई है?
   (ग) आँगन कब नहीं मरा करता है?
   (घ) खिलौनों के खोने से क्या नहीं मरा करता है?

2. **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :**
   (क) इस कविता से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?
   (ख) कवि किन-किन उदाहरणों द्वारा हमारा उत्साह बढ़ा रहा है?
   (ग) क्या कारण है कि घड़े फूटने पर और नावों के डूबने पर पनघट और किनारे सूने नहीं होते?
   (घ) दर्पण को किस बात का फर्क नहीं पड़ता?
   (ङ) 'चाल बदलकर जानेवालों' का क्या तात्पर्य है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **बहुविकल्पी प्रश्न**

सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाएँ-

(क) यह किस तरह की कविता है?

(i) प्रसन्नता और उल्लास की ☐ (ii) दुख और निराशा की ☐

(iii) निराशा से आशा की ओर ले जानेवाली ☐ (iv) सुख-दुख की ☐

(ख) 'तम की उमर बढ़ानेवालो' से कवि का मतलब है-

(i) अंधेरे में रहनेवाले ☐ (ii) निराशा में डूबे रहनेवाले ☐

(iii) अँधेरे में बात सोचनेवाले ☐ (iv) लंबी आयुवाले ☐

(ग) फूल की गंध के बारे में बताया गया है कि-

(i) फूल के टूटने पर भी वह रहती है ☐ (ii) वह फूलों में नहीं पाई जाती ☐

(iii) फूल टूटते ही वह समाप्त हो जाती है ☐ (iv) माली उसे लूट लेता है ☐

2. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट करें-

(क) खोता कुछ भी नहीं यहाँ पर,
केवल जिल्द बदलती पोथी।

(ख) चंद खिलौना के खोने से,
बपचन नहीं मरा करता है।

3. निम्नलिखित का विलोम लिखें-

(क) बिखरना _____ (ग) रात _____

(ख) घटना _____ (घ) लूटना _____

षा-बोध

इन शब्दों के समानार्थक शब्द कविता से ढूँढ़ कर लिखें-

आँसू	बेकार	स्वप्न	नयन	दिन	भोर
केनारा	अँधेरा	ज्योत्सना	नाव	उम्र	बगीचा